# श्याम हमारे दिल से पूछो ....

(तर्ज : फूल तुम्हे भेजा है खत में ....)

श्याम हमारे दिल से पूछो, कितना तुमको याद किया।
याद में तेरी, मुरली वाले, जीवन यूं ही गुज़ार दिया।।
श्याम हमारे ....

देखी तेरी भोली सूरत, हम भी धोखा खा ही गए,
मोहन तेरी मीठी–मीठी बातों में, हम आ ही गए।
हार गए जीवन में सब कुछ, फिर भी तेरा नाम लिया।
याद में तेरी ....

करता हूँ मैं कोशिश मोहन, याद कभी तुम ना आओ,
हो सके तो तुम भी मोहन, मेरे दिल से निकल जाओ।
भूल हुई तुझे दिल में बिठाया, इस दिल से लाचार हुआ।
याद में तेरी ....

बाहर से कुछ और हो मोहन, भीतर से कुछ और हो तुम,
सीखा है बस दिल को चुराना, जाने कैसे चोर हो तुम।
पछताता हूँ मैं कान्हा अब, क्यूँ तेरा एतबार किया।
याद में तेरी ....

राम–राम रटते रहो, जब तक घट में प्राण।
कभी तो दीनदयाल के, भनक पड़ेगी कान।।